GNSS-आधारित टोल संग्रह

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस]

भारत सरकार ने सुरक्षा और गोपनीयता संबंधी चिंताओं का हवाला देते हुए टोल संग्रह हेतु ग्लोबल **नेवगिशन सैटेलाइट सिस्टम (GNSS)** की शुरुआत को अभी स्थगित कर दिया है।

- सरकार GNSS के स्थान पर **स्वचालित नंबर प्लेट पहचान (ANPR) कैमरों और FASTag (फास्टैग**) का उपयोग करके बैरियर-लेस फ्री फ्लो टोलिंग को आगे बढ़ाएगी।
- **GNSS:** वाहनों द्वारा तय की गई दूरी के आधार पर टोल निर्धारित करने के लिये **उपग्रहों और ऑनबोर्ड इकाइयों (OBUs)** का उपयोग करके टोल की गणना करता है।
- **हालाँकि, यह प्रणाली गैर-भारतीय उपग्रहों पर निर्भरता के कारण परिचालन नियंत्रण, डेटा गोपनीयता और संभावित उल्लंघनों के बारे में चिंताएँ उत्पन्न करती है।**
- **ANPR FASTag प्रणाली (AFS):** यह वाहन नंबर प्लेटों को स्वचालित रूप से पहचानने के लिये कैमरों का उपयोग कर टोल कटौती के लिये उन्हें संबंधित फास्टैग अकाउंट से जोड़ती है।
- [भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम] द्वारा जारी किया गया फास्टैग एक ऐसा उपकरण है जिसमे [रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (RFID)] **तकनीक** का उपयोग किया जाता है, जिसके द्वारा चलते हुए वाहन से सीधे टोल भुगतान किया जा सकता है।
    - वाहन के विंडस्क्रीन पर लगा फास्टैग (RFID Tag) लिंक किये गए बैंक खाते से स्वचालित टोल भुगतान को सक्षम बनाता है।

और पढ़ें: [नई सैटेलाइट-आधारित टोल संग्रह प्रणाली]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-defers-gnss-based-toll-collection